

**निकर** पुं. (अं.) एक प्रकार का खुला छोटा पायजामा, जाँघिया पुं. (तत्.) 1. समूह, झुंड 2. राशि, ढेर 3. सार, न्यायदेय धन 5. निधि।

**निकर्तन** पुं. (तत्.) 1. काटना, विदारण करना, फाड़ना।

**निकर्मा** पुं. (तद्.) जो काम न करे, आलसी, अकर्मण्य।

**निकर्षण** पुं. (तत्.) नगर या नगर के समीप खेल का मैदान, क्रीड़ा भूमि 2. घर के आगे खुला चबूतरा या प्रवेश द्वार के पास का आँगन 3. पड़ोस 4. परती भूमि, बिना जोती भूमि।

**निकलंक** वि. (तत्.) दोषरहित, निर्दोष, बेदाग।

**निकलंकी** पुं. (तत्.) विष्णु का दसवाँ अवतार जो कलि के अंत में होगा, कल्कि अवतार वि. निष्कलंक।

**निकल** स्त्री. (अं.) एक धातु जो सुरमें, कोयले, गंधक, संखिया आदि के साथ मिली हुई खानों में मिलती है, साफ होने पर यह चाँदी की तरह चमकती है। nickel

**निकलना** अ.क्रि. (तद्.) 1. बाहर होना, भीतर से बाहर आना, निर्गम होना 2. व्याप्त या ओतप्रोत वस्तु का अलग होना जैसे- बीज से तेल निकालना 3. पार होना, अतिक्रमण करना, एक ओर से दूसरी ओर चले जाना 4. उत्तीर्ण होना 5. गमन करना, जाना, गुजरना, बारात निकली या वह रोज इसी रास्ते से निकलता है 6. उदय होना, सूर्य का निकलना 7. प्रादुर्भूत होना, उत्पन्न होना 8. उपस्थित होना, दिखाई पड़ना, निश्चित होना, ठहराया जाना, रास्ता निकलना, दोष निकलना, परिणाम निकलना, उपाय निकलना 11. खुलना, स्पष्ट होना, प्रकट होना 12. मेल में से अलग होना, पृथक् होना 13. छिड़ना, आरंभ होना जैसे- बात निकलना, चर्चा निकलना 14. प्राप्त होना 15. हल होना, किसी समस्या का ठीक उत्तर प्राप्त होना 16. दूर तक जाने वाली किसी वस्तु का आरंभ होना प्रयो. यह नदी कहां से निकली है 17. लकीर के रूप में दूर तक जाने वाली वस्तु का विधान होना

जैसे- सड़क निकलना 18. प्रचलित होना, जारी होना जैसे- बाल निकलना, कानून निकलना 19. फँसा, बँधा या जुड़ा न रहना, छूटना, मुक्त होना प्रयो. "कमीज का बटन निकल गया है", बछड़ा खूँटा तुड़ा कर निकल गया 20. नई बात प्रकट होना, आविष्कृत होना जैसे- कोई नई युक्ति निकलना 21. शरीर के ऊपर उत्पन्न होना- चेचक निकलना 22. प्रमाणित होना-वह चोर निकला।

**निकलवाना** अ.क्रि. (तद्.) निकलवाना-निकालने का काम दूसरे से कराना, निकालना।

**निकष** पुं. (तत्.) 1. कसौटी 2. कसौटी पर चढ़ाने का काम 3. हथियारों पर सान चढ़ाने का पत्थर 4. कसौटी पर कसने से बनी रेखा 5. कोई वस्तु या कार्य जिससे किसी की परीक्षा हो, निकषण।

**निकषा** स्त्री. (तत्.) सुमाली की कन्या और विश्रवा की पत्नी एक राक्षसी जिसके गर्भ से रावण, कुंभकर्ण, शूर्पनखा और विभीषण उत्पन्न हुए थे।

**निकषात्मज** पुं. (तत्.) निशाचर, राक्षस।

**निकषोपल** पुं. (तत्.) कसौटी।

**निकस** पुं. (तद्.) दे. निकष।

**निकसना** अ.क्रि. (तद्.) दे. निकलना।

**निकसनी** वि. (तद्.) निकलने वाली।

**निकाई** स्त्री. (देश.) 1. भलाई 2. खूबसूरती, सौंदर्य 3. खेत में से घास-पात काटकर अलग करने की क्रिया, भाव या मजदूरी, निराई।

**निकाज** वि. (देश.) बेकाम, निकम्मा, व्यर्थ।

**निकाना** स.क्रि. (तत्.) नाखून गड़ाना/चुभाना दे. निराना।

**निकाब** स्त्री. (फा.) नकाब, पर्दा।

**निकाम** वि. (तद्.) 1. निकम्मा, बुरा, खराब, निष्प्रयोजन, व्यर्थ 2. इष्ट, अभिलषित, यथेष्ट, पर्याप्त, काफी 3. इच्छुक 4. बहुत, अतिशय।

**निकामन** पुं. (तत्.) आकांक्षा, इच्छा, अभिलाषा।